कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक: प्राथमिक विज्ञान

हिन्दी
कमेंट्री: प्राथमिक विद्यालय की इस कक्षा में शिक्षिका, छात्रों की जैविक अनुकूलन की समझ को, विकसित करने में उनकी मदद करने के लिए, एक कहानी का कल्पनाशील उपयोग करती हैं। कहानी शुरू होती है, 'जोजो' नाम के एक लड़के के साथ, जो तालाब में तैर रहा है। **शिक्षिका:** अचानक! अचानक, पता है क्या हुआ? अचानक इसको, एक ऐसा जानवर दिखाई पड़ा, जिसको इसने कभी देखा ही नहीं था! मतलब, कभी इसके बारे में कुछ, सुना ही नहीं था! कि ऐसा भी कोई जानवर होता है। वो जानवर पता था कैसा था? उस जानवर का शरीर तो, बिलकुल अजीब-सा था! ये था वो जानवर! कैसा था ये जानवर? क्या दिख रहा है, इस जानवर में? इसका मुँह जो है, वो मछली की तरह था! मुँह कैसा था? **विद्यार्थी:** मछली की तरह! **शिक्षिका:** और इसकी body जो थी, वो घोड़े की तरह थी! किसकी तरह? **विद्यार्थी:** घोड़े की तरह! **शिक्षिका:** और इसकी पूँछ भी, किसी दूसरे जानवर की तरह थी! इस जानवर को जब उसने देखा, तो डर के कारण, उसकी हालत खराब हो गई! कमेंट्री: ध्यान दीजिए, शिक्षिका छोटे चित्रों को, सभी विद्यार्थियों को दिखाने के लिए, कैसे पूरी कक्षा में घूमती हैं। **शिक्षिका:** ये जानवर, तालाब के बाहर गिर गया! और थोड़ी देर तड़पने के बाद, मर गया! क्या हो गया? **विद्यार्थी:** मर गया।

शिक्षिका: अब ये बताओ ज़रा, ये जानवर मर क्यों गया? हाँ, जन्नत बेटा! बताओ।

विद्यार्थी १: क्योंकि इसका मुँह मछली की तरह था!

शिक्षिका: मछली की तरह मुँह होने से क्या मतलब? क्यों मर गया ये?

विद्यार्थी १: ये साँस नहीं ले पा रहा था।

शिक्षिका: अच्छा, साँस नहीं ले पा रहा था! तो मछली कैसे साँस लेती है?

विद्यार्थी १: गलफड़ें।

शिक्षिका: गलफड़ों से। और ये जानवर कहाँ पे दौड़ रहा था?

विद्यार्थी १: जमीन पर।

शिक्षिका: जमीन पर साँस, हम किससे लेते हैं?

विद्यार्थी १: फेफड़ों से।

शिक्षिका साक्षात्कार:

Story जब हमने सोची थी, उस time पे ये था कि, अगर, हम - जो normal characters हैं, जो survive कर रहे हैं, एक particular habitat में, अगर हम - उनको ले कर चलेंगे, तो वो तो उनको पता ही है! समझ में आ रहे हैं! तो फिर मैंने सोचा कि, इस तरह के animals हम लें, जिसमें दो तीन animals clubbed हों। ऐसा collage उनका बनाया कि, अगर different-different characters के animals को एक-individually हम show करेंगे तो, बच्चे एक तो उसको surprised way में देखेंगे। और उसको सोचना चाहेंगे कि, 'आखिर ये है क्या?' और जब, story के बीच-बीच में, हम सोच रहे थे कि, हम इसमें questioning भी करेंगे, तो, वो उस questions के through involve भी रहेंगे। और उस questions के through, हमारा moto था कि, जो भी हमारे characters हैं, उसमें अगर जिस habitat में वो हैं, अगर वहाँ पे, वो survive कर रहे हैं, तो क्यों कर रहे हैं? और उस habitat से निकल के, दूसरे habitat में आये, तो वहाँ पे जब death हो गई उनकी, तो ऐसा क्यों हुआ? तो मैं बच्चों की, जो analytical power थी, उसको judge करना चाहती थी कि, वो खुद क्या guess कर पाते हैं?

कमेंट्री:

कहानी के दौरान, शिक्षिका 'खुले सवाल' पूछती हैं। विद्यार्थियों के जवाब, उनकी अनुकूलन के बारे में, बन रही समझ का, आकलन करने में, शिक्षिका की मदद करते हैं।

शिक्षिका: क्यों मर गया ये जानवर?

विद्यार्थी २: Ma'am, क्योंकि, उसकी त्वचा मोटी नहीं थी, और उसकी वसा की परत नहीं थी। और उसके लम्बे-घने बाल नहीं थे। इसीलिए वो मर गया।

शिक्षिका: तो ये तीनों चीज़ें, किसमें पाई जाती हैं?

विद्यार्थी २: पहाड़ी जन्तुओं में।

शिक्षिका: और ये तीनों चीज़ें, जिन जन्तुओं में पाई जाती हैं, उनको क्या फ़ायदा होता है?

विद्यार्थी २: Ma'am, वो ठण्ड से बच जाते हैं।

शिक्षिका: बच्चों, हमने जो story सुनी अभी, उससे क्या हमने सीखा?

आकांक्षा! बताओ।

विद्यार्थी ३: जानवर जहाँ के होते हैं... वो अगर, गरम जगह पर जाएँगे, तो वो मर जाएँगे!

शिक्षिका: अच्छा।

विद्यार्थी ३: अगर ठण्डी जगह के, गरम जगह पर चले गये, तो वो खत्म हो जाएँगे!

शिक्षिका: ठण्डी जगह के - गरम जगह पर चले गए, तो क्या होगा?

विद्यार्थी ३: मर जाते हैं।

शिक्षिका: मर जाते हैं। क्यों मर जाते हैं?

विद्यार्थी ३: क्योंकि ma'am, अपनी अपनी जगह पे ढाल लेते हैं अपनेआप को।

शिक्षिका: अच्छा, अपनी...

कमेंट्री:

कहानियों का उपयोग, वैज्ञानिक विचारों के साथ विद्यार्थियों को जोड़ने का, एक, बहुत रचनात्मक तरीका है। सभी विद्यार्थियों को, कहानी और उसके विचारों पर, चर्चा करने का अवसर देने के लिए, कैसे यह शिक्षिका, इस गतिविधि को आगे बढ़ा सकती हैं?